

11-2-1988
 14-3-2007
 12-08-2012
 3-20-2014

और एक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों तथा गैरिवाउ उपरजीकरण
कार्डधर दिनांक 11.3.2022 को समया 12.00 से 1.00 तक
अवकाश दिया है जिसमें कुरु प्रत्ययन छात्र गये। वहीं
हमारी कक्षा के विद्यार्थियों तथा शिक्षक के साथ
उपस्थितता से है। इस प्रकार उपरजीकरण से विद्यार्थियों में
विषय के प्रति रुचि बढ़ती है साथ ही छात्रों के
समस्त अभिव्यक्ति देने की प्रवृत्ति विकसित होती है।
सत्र- 2021-22 में हुए उपरजीकरण
विद्यार्थियों को आदि का विवरण निम्नलिखित

क्र.सं.	उपभोक्ता नाम	वै.सं.	वि.सं.	प्रा.सं.	योग
01	डॉ. डी.डी.	05	06	09	20
02	डॉ. डी.डी.	08	09	08	25
03	डॉ. डी.डी.	06	06	07	23
04	डॉ. डी.डी.	05	06	09	20
05	डॉ. डी.डी.	07	04	06	15
06	डॉ. डी.डी.	06	10	10	26
07	डॉ. डी.डी.	05	05	05	15
08	डॉ. डी.डी.	05	06	06	17
09	डॉ. डी.डी.	04	05	07	16
10	डॉ. डी.डी.	05	09	05	19
11	डॉ. डी.डी.	05	07	08	20
12	डॉ. डी.डी.	07	07	07	21
13	डॉ. डी.डी.	05	05	09	19
14	डॉ. डी.डी.	07	07	07	18
15	डॉ. डी.डी.	06	08	09	23
16	डॉ. डी.डी.	04	05	05	14
17	डॉ. डी.डी.	05	06	07	18

लक्ष्मी उरलुतीकरा ने कृष्ण भूषा ने साहचर
 अपराध लीमिड पर उरलुतीकरा दिया लषा साहचर
 अपराध का अर्थ कारका को बताया।
 कृष्ण भूषणी साहू ने अणुजाति के अर्थ को समझाया।
 कृष्ण लक्ष्मी साहू ने अपराध के अर्थ को बताया। एवं
 कृष्ण लक्ष्मी ने साहचर अपराध के अर्थ को अपने
 विचारों व्यक्त किये।
 विनय कुमार ने साहचर अपराध के अर्थ कारका
 एवं परिणाम लषा को देने के उदाहरण अपना
 उरलुतीकरा दिया।
 लक्ष्मी भूषण एवं लक्ष्मी गहिल अपराध के अर्थ को बताया।
 जीत कुमार लक्ष्मी, अमिता ने भी लक्ष्मी अपराध
 को समझने हेतु व्यस्त किये।

मे जनजाति की समस्याओं के बारे में परामर्श
 कुं सुशीला झाड़ू, गैरिका सुभाष नारायण से सारथी
 संपादक के जोड़ में अपना विचार व्यक्त किए
 काशीप झाड़ू ने स्वयंसेवक संपादक का अर्थ
 कारण, परिणाम के जोड़ में परामर्श दिया गया।
 अनुसूचीकरण में सुझाव - विषयका
 डिलीट - लेखकी का
 हवीय - लक्ष्मीबाई
 गैरिका से

प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ प्राप्ति

12

Q: (अतिवचन क्या है?)

(કા-અનિત રાજ્યગી)

[illegible]

(२) गोविंद काठ गोविंद काठ
(३) गोविंद काठ गोविंद काठ
(४) गोविंद काठ गोविंद काठ
(५) गोविंद काठ गोविंद काठ
(६) गोविंद काठ गोविंद काठ
(७) गोविंद काठ गोविंद काठ
(८) गोविंद काठ गोविंद काठ
(९) गोविंद काठ गोविंद काठ
(१०) गोविंद काठ गोविंद काठ

Am
(On: 10/10/2020)

(2) $(\frac{1}{\sqrt{2}} - \frac{1}{\sqrt{2}}i)$

$\frac{1}{2} \times 12 \times 12 = 72$ $\frac{1}{2} \times 12 \times 12 = 72$ $\frac{1}{2} \times 12 \times 12 = 72$ $\frac{1}{2} \times 12 \times 12 = 72$ $\frac{1}{2} \times 12 \times 12 = 72$

दिनांक 12/3/2022 को सम्पन्न शिवालय विद्यालय में
श्री. ग. चरण 2317 उपस्थित थे। श्री. चरण - शिक्षक
- 10/1/2022 को - शिक्षक कोष में
- 12/3/2022 को - शिक्षक कोष में
- 13/4 को - शिक्षक कोष में
- 14/5 को - शिक्षक कोष में

क्र.सं.	वि. सं.	विवरण	प्रमाण	मूल्य	प्रमाण	मूल्य
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
01	30	सुनिता	कर्मचारी	05	05	13
02	31	सुनिता	कर्मचारी	05	05	13
03	32	सुनिता	कर्मचारी	10	05	25-0
04	33	सुनिता	कर्मचारी	08	05	20
05	34	सुनिता	कर्मचारी	07	05	20
06	35	सुनिता	कर्मचारी	05	07	20
07	36	सुनिता	कर्मचारी	07	05	21
08	37	सुनिता	कर्मचारी	10	08	28-0
09	38	सुनिता	कर्मचारी	07	06	22-0
10	39	सुनिता	कर्मचारी	05	08	20

क्र.सं.	हस्त प्रकाश का नाम	वर्गीकरण	दिनांक (०६/०७)	प्राप्ति (०८)	प्रस्तुत (०९)	कुल (१०)
०१	श्रीहरचरितम्	श्रीमद्भक्तिकृत जीवनपरिचय	०४	०४	०४	२२-४
०२	श्रीहरचरितम्	"	०४	०४	०६	२०
०३	चौद-चाँदनी	उपकल्पना	०४	०४	०४	२२-४
०४	शामिन साहू	"	०४	०४	०३	२१
०५	जयंत कुमार	"	०४	०६	०४	२०

कक्षा प्रस्तुतीकरण में कुं मुनिता, कुं नेहा, अमण कुमार ने अक्षय्य पद्धति का कार्य, शिक्षकगणों से उपयोग के बारे में व्याख्या की।

मनीष कुमार साहू, ललसी एवं कुं अर्जुन ने व्यक्तिगत अक्षय्य पद्धति के बारे में कार्य, परिचय, उपयोग का वर्णन दिये। कुं ज्योति साहू, शामिनी साहू, चौद-चाँदनी, शामिन साहू, जयंत कुमार ने उपकल्पना के बारे में अपने अपने विचार व्यक्त किये। कुं कुंभाषणी ने श्रीमद्भक्तिकृत का आत्महत्या के सिद्धांत को बताया। श्रीहरचरित साहू ने उत्तम के जीवन परिचय के अन्तर्गत लखा कक्षा प्रस्तुतीकरण में उपम स्थान प्राप्त विद्यार्थी - कुं अर्जुन एवं द्वितीय स्थान कुं कुमुदमती लखा तृतीय स्थान - नेहा, कुलेरचरी, चौद-चाँदनी है।

उपस्थित विद्यार्थियों के संकेत

- ०१. दिना नारायण दिना
- ०२. आकाश आकाश
- ०३. श्रीहरचरित श्रीहरचरित
- ०४. मिता पटेल मिता पटेल
- ०५. जयंत कुमार जयंत कुमार
- ०६. कुलेरचरी साहू कुलेरचरी साहू
- ०७. शामिनी शामिनी
- ०८. शामिनी साहू शामिनी साहू
- ०९. ज्योति साहू ज्योति साहू
- १०. ललसी ललसी
- ११. मनीष मनीष
- १२. अमण अमण
- १३. विजय कुमार विजय कुमार
- १४. पदमती पदमती
- १५. चौद-चाँदनी चौद-चाँदनी
- १६. शामिन साहू शामिन साहू
- १७. अक्षय्य अक्षय्य
- १८. कुमुदमती कुमुदमती

Dr. Anshu Kishorey

(अतिथि व्याख्याता)

